भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 1138

सोमवार, 2 दिसंबर, 2024/11 अग्रहायण, 1946 (शक)

देश में बेरोजगार युवा

1138. श्री पी. वी. मिधुन रेडी:

क्या **श्रम और रोजगार मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की भारत रोजगार रिपोर्ट 2024 के निष्कर्षों की जानकारी है जिसमें कहा गया है कि शिक्षित युवाओं की बढ़ती संख्या के बावजूद देश में 83 प्रतिशत युवा बेरोजगार हैं**;** और

(ख) यदि हां**,** तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं**?**

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा कारान्दलाजे)

(क) से (ख): रोजगार/बेरोजगारी संकेतक का आधिकारिक डेटा स्रोत जो वर्ष 2017-18 से सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा आयोजित आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) है। इस सर्वेक्षण की अवधि**,** प्रति वर्ष जुलाई से जून तक होती है।

नवीनतम उपलब्ध वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्ट के अनुसार, देश में 15-29 वर्ष की आयु के युवाओं के लिए सामान्य स्थिति पर अनुमानित बेरोजगारी दर (यूआर) 2017-18 में 17.8% से घटकर 2023-24 में 10.2% हो गई है जो युवाओं की वैश्विक बेरोजगारी दर 13.3 प्रतिशत से कम है [अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) द्वारा प्रकाशित विश्व रोजगार और सामाजिक आउटलुक रुझान, 2024 के अनुसार]।

इसके साथ-साथ, आईएलओ-आईएचडी (मानव विकास संस्थान) द्वारा जारी भारत रोजगार रिपोर्ट 2024 के अनुसार, कुल युवा आबादी में बेरोजगार युवाओं की हिस्सेदारी 2019 में 7% से घटकर 2022 में 5% हो गई। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि वर्ष 2022 के दौरान कुल युवा आबादी (15-29 वर्ष) में से 37% कार्यरत थे, 35% छात्र थे, 22% घरेलू कर्तव्यों में थे और केवल 5% ही बेरोजगार थे।

*****